Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 3.4 September-October 2025 / VOL -02 ISSUE-II

16

जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन

डॉ. सुयश चतुर्वेदी
शोध पर्यवेक्षक प्रोफेसर
पेसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एज्युकेशन एण्ड रिसर्च विश्वविद्यालय, उदयपुर

डॉ. प्रहलाद सोनी
शोध सह–पर्यवेक्षक

सुवर्णा पुरोहित
पीएच.डी. शोधार्थी

सार सक्षेप :-

प्रस्तुत शोध जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों के प्रति सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के अभिमत पर केंद्रित है। शोध में राजस्थान राज्य के उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा एवं सिरोही जिले के कुल 20 सरकारी विद्यालयों के 100 छात्राओं का चयन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन करने हेतु एम. मुखोपाध्याय, नई दिल्ली एवं डी.एन.संसंवाल, इन्दौर द्वारा मानकीकृत विद्यार्थी अध्ययन आदत प्रमापनी और स्वनिर्मित शैक्षिक समायोजन प्रमापनी का प्रयोग किया गया। शैक्षिक उपलब्धि का पता लगाने के लिए सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के कक्षा 10वीं के वार्षिक परीक्षा के अंकों को आधार माना गया। पियर्सन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकीय तकनीक का उपयोग दत्त विश्लेषण के लिए किया गया है। प्रस्तुत शोध के परिणाम स्पष्ट करते है कि जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य समग्र क्षेत्रों में निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध, जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य मध्यम सकारात्मक सह संबंध एवं शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य मध्यम से उच्च स्तर का सकारात्मक सह संबंध पाया गया।

समस्या की पृष्ठ भूमि, औचित्य एवं महत्त्व :–

अध्ययन आदतें सभी बालकों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव डालती हैं। सीखने की प्रक्रिया में विद्यालय वातावरण द्वारा प्रदान किए हुए उत्तेजक तत्व बालकों की अध्ययन आदतों में वांछित परिवर्तन लाते हैं। इन उत्तेजक तत्वों का पता लगाकर बालकों में शैक्षिक समायोजन द्वारा अध्ययन आदतों को नियंत्रित किया जा सकता है तथा उसका शैक्षिक उपलब्धि स्तर बढाया जा सकता है। अध्ययन आदतों के महत्व को समझने वाले विद्यालय अच्छा वातावरण उपस्थित कर सकते हैं जिससे उनके विचारों की उचित अभिव्यक्ति, शिष्ट सामाजिक व्यवहार, कर्तव्यों और अधिकारों का ज्ञान, स्वाभाविक प्रवृत्तियों पर नियंत्रण आदि गुणों का अधिकतम विकास हो सकें। प्रस्तुत शोध कार्य एक महत्वपूर्ण नवाचार है। जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन से उनके मध्य संबंधों का पता लग सकेगा। उपर्युक्त संदर्भो को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध कार्य करने के लिए प्रेरणा मिली एवं आवश्यकता महसूस की गई।

कोई व्यक्ति स्वयं की अथवा समाज की प्रगति तभी कर सकता है। जब वह विद्यालय वातावरण में सुसमायोजित हो, विद्यालयी सन्दर्भ में बालकों की क्या–क्या आदतें होगी इस हेतु यह समस्या उचित है। शोधार्थी यह जानना चाहती है कि जनजाति क्षेत्र की छात्राएँ अध्ययन करने में विमुख क्यों हो जाती है तथा अध्ययन में रूचि क्यों नहीं लेती है। शैक्षिक समायोजन संबंधित समस्याओं के विषय में शिक्षकों का दायित्व है कि वह छात्राओं की प्रतिभा एवं व्यक्तित्व को जान सके ताकि उन्हें अवरोध की दशाओं का सामना न करना पड़े। समस्या की उपयोगिता एवं औचित्य की दृष्टि से इस शोध के परिणाम छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने में सहायक होंगे।

शोध शीर्षक :– जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन करना।

शोध के उद्देश्य :–

1. जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।
2. जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

©Copyright 2024 *ADRJ*. All Rights Reserved

Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 3.4 September-October 2025 / VOL -02 ISSUE-II

3ण जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

समस्या का परिभाषीकरण :–

1. जनजाति क्षेत्र की छात्राएं :–

जनजाति क्षेत्र की छात्राओं से तात्पर्य उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा एवं सिरोही जिले के ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं से है।

2. अध्ययन आदतें :–

प्रस्तुत शोध में अध्ययन सम्बन्धी आदतों से अभिप्राय छात्राओं की समझने की योग्यता, एकाग्रता, कार्य प्रतिस्थापन, सैट्स, अन्तक्रिया, अभ्यास, सहारा देना, नोट करना एवं भाषा की अध्ययन प्रक्रिया से है।

3. शैक्षिक समायोजन :–

शैक्षिक समायोजन में विद्यार्थियों की पाठयचर्या, शिक्षण–अधिगम, शिक्षण विधियाँ, मूल्यांकन, शिक्षकों की भूमिका, विद्यालय वातावरण, व्यवहारिक गुणवत्ता, भौतिक संसाधन एवं समस्या समाधान को सम्मिलित किया गया है।

4. शैक्षिक उपलब्धि :–

शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ है शैक्षिक विषयों के क्षेत्रों में प्राप्तांक। प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के उनकी पिछली कक्षा (10) में प्राप्त अंकों को आधार माना गया।

परिसीमन :– प्रस्तुत शोध कार्य को उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा एवं सिरोही जिले के 20 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 100 छात्राओं तक ही सीमित रखा गया है।

न्यादर्श :– प्रस्तुत शोध में न्यादर्श का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया है। शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा एवं सिरोही जिले के 20 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में से 100 छात्राओं का चयन किया गया है। प्रत्येक जिलें से 05 कुल 20 विद्यालयों का चयन किया गया। प्रत्येक विद्यालय से 05 छात्राओं का चयन किया गया।

विधि :– प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

उपकरण :–जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन करने हेतु एम. मुखोपाध्याय, नई दिल्ली एवं डी.एन.संसंवाल, इन्दौर द्वारा मानकीकृत विद्यार्थी अध्ययन आदत प्रमापनी और स्वनिर्मित शैक्षिक समायोजन प्रमापनी का प्रयोग किया गया। शैक्षिक उपलब्धि का पता लगाने के लिए छात्राओं द्वारा कक्षा 10वीं के वार्षिक परीक्षा के अंकों को आधार माना गया।

सांख्यिकीय तकनीक :– प्रस्तुत शोध कार्य में दत्त विश्लेषण के लिए पियर्सन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकीय तकनीक को उपयोग में लिया गया।

परिकल्पना :– जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं होता है।

दत्त विश्लेषण :–

उद्देश्य संख्या–1 जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सहसंबंध के प्रति छात्राओं के अभिमतों का विश्लेषण कर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सहसंबंध की गणना की गई।

©Copyright 2024 ADRJ. All Rights Reserved

Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 3.4 September-October 2025 / VOL -02 ISSUE-II

सारणी – 1

जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सहसंबंध

क्र. सं.	अध्ययन आदतें	शैक्षिक समायोजन									
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	कुल
		पाठ्यचर्या	शिक्षण–अधिगम	शिक्षण विधियाँ	मूल्यांकन	शिक्षकों की भूमिका	विद्यालय वातावरण	व्यवहारिक गुणवत्ता	भौतिक संसाधन	समस्या समाधान	
1.	समझने की योग्यता	0.57	0.42	0.18	0.32	0.34	0.22	0.14	-0.02	0.32	0.38
2.	एकाग्रता	0.22	0.51	-0.02	0.11	0.30	0.29	0.22	-0.04	0.22	0.32
3.	कार्य प्रतिस्थापन	0.16	-0.22	-0.27	0.25	0.21	0.22	0.11	0.18	-0.02	-0.04
4.	सैट्स	0.11	0.12	-0.04	-0.04	0.39	0.24	0.16	-0.15	-0.11	-0.02
5.	अन्तःक्रिया	0.14	0.38	0.15	0.32	0.37	0.17	-0.04	0.24	0.24	0.36
6.	अभ्यास	0.28	0.32	0.28	0.11	0.22	0.12	0.31	0.08	0.28	0.41
7.	सहारा देना	0.18	0.22	-0.28	-0.02	0.32	0.14	0.12	0.12	-0.11	0.11
8.	नोट करना	0.22	0.18	0.11	0.18	0.14	0.16	-0.11	0.12	0.31	0.18
9.	भाषा	0.24	0.45	0.32	0.21	0.28	0.34	0.22	0.12	0.32	0.42
कुल		0.41	0.36	0.32	0.28	0.38	0.22	-0.11	-0.42	0.27	**0.40**

N = 100

व्याख्या –सारणी 1 के विश्लेषण के अनुसार जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.40 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र पाठयचर्या के साथ सर्वाधिक सहसम्बन्ध 0.41 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं अध्ययन आदतों का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र भौतिक संसाधन के साथ न्यूनतम सहसम्बन्ध -0.42 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।

1. **प्रथम क्षेत्र : समझने की योग्यता :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के प्रथम क्षेत्र समझने की योग्यता का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.38 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र समझने की योग्यता का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र पाठयचर्या के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.57 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम से उच्च स्तर का सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं भौतिक संसाधन के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम -0.02 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
2. **द्वितीय क्षेत्र : एकाग्रता :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के द्वितीय क्षेत्र एकाग्रता का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.32 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र एकाग्रता का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र शिक्षण–अधिगम के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.51 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं भौतिक संसाधन के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम -0.04 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
3. **तृतीय क्षेत्र : कार्य प्रतिस्थापन :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के तृतीय क्षेत्र कार्य प्रतिस्थापन का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध -0.04 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र कार्य प्रतिस्थापन का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र मूल्यांकन के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.25 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं शिक्षण विधियों के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम -0.27 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
4. **चतुर्थ क्षेत्र : सैट्स :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के चतुर्थ क्षेत्र सैट्स का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध -0.02 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र सैट्स का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र शिक्षकों की भूमिका के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.39 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं भौतिक संसाधन के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम -0.15 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
5. **पंचम क्षेत्र : अन्तःक्रिया :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के पंचम क्षेत्र अन्तःक्रिया का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.36 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र अन्तःक्रिया का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र शिक्षण–अधिगम के साथ

Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 3.4 September-October 2025 / VOL -02 ISSUE-II

सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.38 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं व्यवहारिक गुणवत्ता के साथ सहसम्बन्ध -0.04 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।

6. **षष्ट क्षेत्र : अभ्यास :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के षष्टम क्षेत्र अभ्यास का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.41 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र अभ्यास का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र शिक्षण–अधिगम के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.32 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं भौतिक संसाधन के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम 0.08 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
7. **सप्तम क्षेत्र : सहारा देना :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के सप्तम क्षेत्र सहारा देना का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.11 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र सहारा देना का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र शिक्षकों की भूमिका के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.32 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं शिक्षण विधियों के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम -0.28 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
8. **अष्टम क्षेत्र : नोट करना :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के अष्टम क्षेत्र नोट करना का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.18 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र नोट करना का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र समस्या समाधान के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.31 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं व्यवहारिक गुणवत्ता के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम -0.11 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य नकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।
9. **नवम क्षेत्र : भाषा :–** जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों के नवम क्षेत्र भाषा का शैक्षिक समायोजन के समग्र क्षेत्रों में सहसम्बन्ध 0.42 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। समग्र क्षेत्रों में अध्ययन आदतों के क्षेत्र भाषा का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र शिक्षण–अधिगम के साथ सहसम्बन्ध सर्वाधिक 0.45 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार मध्यम सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है एवं भौतिक संसाधन के साथ सहसम्बन्ध न्यूनतम 0.12 प्राप्त हुआ, जो मानक अनुसार नगण्य सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है।

उद्देश्य संख्या–2 जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

सारणी – 2

क्र. सं.	चर	सहसंबंध गुणांक (r)	परिणाम
1	अध्ययन आदतें	+ 0.58	जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य साधारण सकारात्मक सह संबंध पाया गया।
2	शैक्षिक उपलब्धि		

व्याख्या –

जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच पियर्सन सहसंबंध गुणांक r = +0.58 पाया गया। यह मध्यम सकारात्मक सहसंबंध दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जिन छात्राओं की अध्ययन आदतें बेहतर हैं, वे शैक्षणिक उपलब्धि में भी अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। सुव्यवस्थित अध्ययन आदतें शैक्षणिक सफलता के लिए सहायक तत्व हैं। सरकारी विद्यालय में पढ़ रही जनजाति छात्राओं को अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे सीमित शिक्षण संसाधन, आर्थिक कठिनाइयाँ, पारिवारिक सहयोग की कमी, विद्यालय तक पहुँच में समस्याएँ तथा भाषा से जुड़ी कठिनाइयाँ। इसके बावजूद यह अध्ययन यह दर्शाता है कि उचित मार्गदर्शन, प्रेरणा, समय प्रबंधन तथा अध्ययन से संबंधित तकनीकों का प्रशिक्षण मिलने पर छात्राएँ अपनी अध्ययन आदतों को बेहतर बनाकर शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार कर सकती हैं। यह सहसंबंध मध्यम स्तर का है, जो संकेत देता है कि अध्ययन आदतें शैक्षणिक उपलब्धि में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं।

उद्देश्य संख्या–3 जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

सारणी – 3

क्र. सं.	चर	सहसंबंध गुणांक (r)	परिणाम
1	शैक्षिक समायोजन	+ 0.61	जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं के शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सकारात्मक उच्च सह संबंध पाया गया।
2	शैक्षिक उपलब्धि		

Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 3.4 September-October 2025 / VOL -02 ISSUE-II

व्याख्या –

जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच पियर्सन सहसंबंध गुणांक r = +0.61 प्राप्त हुआ। यह मध्यम से उच्च स्तर का सकारात्मक सहसंबंध है, जो यह दर्शाता है कि शैक्षिक समायोजन में वृद्धि होने पर छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि में भी सार्थक सुधार देखा जा सकता है। सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को विशेष रूप से सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सीमाओं का सामना करना पड़ता है। कई बार पारिवारिक जिम्मेदारियों, संसाधनों की कमी, परिवहन की समस्या और विद्यालय में शिक्षण सुविधाओं की सीमित उपलब्धता उनके अध्ययन को प्रभावित करती हैं। फिर भी अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि जिन छात्राओं को विद्यालय में पाठ्यचर्या से लेकर शिक्षण विधियों, मूल्यांकन प्रक्रिया, शिक्षकों के सहयोग, विद्यालय के वातावरण, व्यावहारिक शिक्षा की गुणवत्ता, भौतिक संसाधनों की उपलब्धता और समस्या समाधान की सुविधाओं में संतुलित समर्थन मिला, उन्होंने अपने अध्ययन में बेहतर समायोजन कर शैक्षणिक उपलब्धि में उल्लेखनीय प्रगति की। यह सहसंबंध यह संकेत देता है कि छात्राओं का समायोजन केवल बाहरी संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर नहीं है, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास, सीखने की प्रेरणा, सहपाठियों के साथ अंतःक्रिया और विद्यालय द्वारा मिलने वाले भावनात्मक समर्थन से भी गहराई से जुड़ा है। इस अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं का प्रभाव तभी अधिक होगा, जब छात्राओं को समस्या समाधान, परामर्श, अध्ययन की योजना बनाने तथा मानसिक दबाव से निपटने के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान किया जाए। शैक्षिक समायोजन में सुधार से छात्राएँ आत्मनिर्भर बनती हैं, अध्ययन में नियमितता लाती हैं और विद्यालय वातावरण से सकारात्मक रूप से जुड़ती हैं, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

निष्कर्ष :–

- जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य समग्र क्षेत्रों में निम्न स्तरीय सकारात्मक सहसंबंध है। विभिन्न उप क्षेत्रों में अध्ययन आदतों का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र पाठयचर्या के साथ सर्वाधिक सहसंबंध प्राप्त हुआ, जो मध्यम सकारात्मक सहसंबंध को दर्शाता है एवं अध्ययन आदतों का शैक्षिक समायोजन के क्षेत्र भौतिक संसाधन के साथ न्यूनतम सहसंबंध प्राप्त हुआ, जो मध्यम नकारात्मक सहसंबंध है।
- जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य पियर्सन सहसंबंध गुणांक (r) का मान +0.58 प्राप्त हुआ जो कि मध्यम सकारात्मक सहसंबंध को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जिन छात्राओं की अध्ययन आदतें बेहतर हैं, वे शैक्षणिक उपलब्धि में भी अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। यह सहसंबंध मध्यम स्तर का है, जो संकेत देता है कि अध्ययन आदतें शैक्षणिक उपलब्धि में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं।
- जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच पियर्सन सहसंबंध गुणांक r = +0.61 प्राप्त हुआ। यह मध्यम से उच्च स्तर का सकारात्मक सहसंबंध है, जो यह दर्शाता है कि शैक्षिक समायोजन में वृद्धि होने पर छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि में भी सार्थक सुधार देखा जा सकता है। इस अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं का प्रभाव तभी अधिक होगा, जब छात्राओं को समस्या समाधान, परामर्श, अध्ययन की योजना बनाने तथा मानसिक दबाव से निपटने के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान किया जाए। शैक्षिक समायोजन में सुधार से छात्राएँ आत्मनिर्भर बनती हैं, अध्ययन में नियमितता लाती हैं और विद्यालय वातावरण से सकारात्मक रूप से जुड़ती हैं, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

परिणाम स्वरूप परिकल्पना संख्या–1 जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं होता है, अस्वीकृत की जाती है।

शैक्षिक निहितार्थ :– शोध के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि जनजाति क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों, शैक्षिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य समग्र रूप से सकारात्मक सहसंबंध पाया गया है। शिक्षक यदि प्रेरणादायी वातावरण और अनुकूल कक्षा–परिस्थितियाँ उपलब्ध कराएँ तो छात्राओं की अध्ययन आदतें और समायोजन दोनों सशक्त होंगे। समय प्रबंधन, नोट्स बनाना, समस्या समाधान एवं आत्ममूल्यांकन जैसे अध्ययन कौशल पाठ्यचर्या का हिस्सा बनाए जाएँ। रटने पर आधारित अभ्यास की जगह अनुभवात्मक, प्रायोगिक और सहकारी अधिगम को प्रोत्साहित किया जाए। अभ्यास कार्य वास्तविक जीवन स्थितियों और प्रोजेक्ट आधारित अधिगम से जोड़ा जाए। विद्यालयों में कैरियर परामर्श और मनोवैज्ञानिक परामर्श सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि जिन छात्राओं को विद्यालय में पाठ्यचर्या से लेकर शिक्षण विधियों, मूल्यांकन

©Copyright 2024 ADRJ. All Rights Reserved

प्रक्रिया, शिक्षकों के सहयोग, विद्यालय के वातावरण, व्यावहारिक शिक्षा की गुणवत्ता, भौतिक संसाधनों की उपलब्धता और समस्या समाधान की सुविधाओं में संतुलित समर्थन मिला, उन्होंने अपने अध्ययन में बेहतर समायोजन कर शैक्षणिक उपलब्धि में उल्लेखनीय प्रगति की। इस प्रकार नीतिगत स्तर पर भाषा, अध्ययन कौशल और वातावरण को सुदृढ़ बनाना तथा व्यावहारिक स्तर पर संवादात्मक, अनुभवात्मक और आत्मनिर्भर शिक्षा पद्धतियाँ लागू करना जनजातीय छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि और समायोजन को निश्चित रूप से उन्नत करेगा।

संदर्भ सूची

1 Carter, V. Good (1988) : **Methodology of Educational Research**, New york, century Inc. Appleton
2 Cochran W.G. (1989) : **Sampling Techniques**, Secondary Education New Delhi wiley kasternPvt. Ltd.
3 Fox, David J [1969]. **The Research Process in Education**, Canada : Holt, Rinehart and Winston of Canada Ltd., P. 118
4 Koacher, S.K.(1970) : **Secondary school Administration**, Sterling publishers Delhi, Jalandhar.
5 कपिल एच. के. (2008) : ''सांख्यिकी के मूल तत्व'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6 गेरेट ई. हेनरी (1972). ''शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी'', लुधियाना : पंजाब कल्याणी पब्लिशियर्स।
7 ढौंडियाल, सच्चिदानंद; फाटक अरविंद (2003). ''शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र'', जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
8 पाण्डेय, आर.एस (1990) : ''भारतीय शिक्षा के विभिन्न आयाम'', आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
9 पारीक, प्रो. मथुरेश्वर, सिडाना, डॉ. अशोक नगर (2006) भारतीय शिक्षा की समस्याएँ एवं नई प्रवृत्तियाँ, जयपुर : शिक्षा प्रकाशन।
10 वशिष्ट डॉ. के.के. (1984–85) : ''विद्यालय संगठन एवं भारतीय शिक्षा की समस्यायें,'' लायल बुक डिपो, मेरठ।
11 समाज कल्याण, जून (2018). समायोजन की चुनौतियाँ एवं भविष्य।
12 समाज कल्याण, फरवरी (2019). महिलाओं की स्थिति और समायोजन।
13 सरीन एवं सरीन (2004) : ''शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ'', रिसर्च पब्लिकेशन्स, जयपुर।
14 http://www.indiajournal.com
15 http://www.mediawatchglobal.com/socialmedia
16 https://www.mynep.in
17 http://www.shodhganga.com
18 http://www.thesisabstract.com
19 https://vikaspedia.in›education